



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 180]  
No. 180]

नई दिल्ली, शुक्रवार, जुलाई 25, 2003/श्रावण 3, 1925  
NEW DELHI, FRIDAY, JULY 25, 2003/SRAVANA 3, 1925

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी तथा संबद्ध शुल्क महाविदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जुलाई, 2003

प्रारंभिक जांच परिणाम

**विषय :** ताईवान तथा संयुक्त अरब अमीरात (यू.ए.ई.) के मूल के या वहां से निर्यातित सन/डस्ट कंट्रोल पॉलिस्टर फिल्म के आयात से संबंधित पाटनरोधी जांच।

सं. 14/53/2002-डीजीएडी.—वर्ष 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 और सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 को ध्यान में रखते हुए -

(क) प्रक्रिया

1. जांच के लिए निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई गई है:

- i) निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिसे आगे प्राधिकारी कहा गया है) को उपरोक्त नियमों के तहत मैसर्स गरवारे पॉलिस्टर लिमिटेड, मुम्बई से एक लिखित याचिका प्राप्त हुई जिसमें ताईवान तथा यूएई (जिसे इसके बाद संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के या वहाँ से निर्यातित सन/डस्ट कंट्रोल पॉलिस्टर फिल्म के पाटन का आरोप लगाया गया था।
- ii) प्राधिकारी ने याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर संबद्ध देशों से सन/डस्ट कंट्रोल पॉलिस्टर फिल्म के आयातों के बारे में जांच शुरू करने का निर्णय लिया। प्राधिकारी ने नियमावली के उप नियम 5(5) के अनुसार जांच शुरू करने से

पहले पाटन का आरोप प्राप्त होने के बारे में संबद्ध देशों के दूतावासों/उच्चायोगों/प्रतिनिधियों को सूचित किया।

- iii) प्राधिकारी ने सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 39 के सीमाशुल्क उप शीर्ष 39.20.69.04 के तहत वर्गीकृत संबद्ध देशों के मूल के या वहाँ से निर्यातित सन/डस्ट कंट्रोल पॉलिस्टर फिल्म के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच शुरू करते हुए दिनांक 3.03.2003 को (एक सार्वजनिक सूचना) जारी की जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था।
- iv) प्राधिकारी ने नियम 6(2) के अनुसार सभी ज्ञात निर्यातकों (जिनके ब्यौरे याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराए गए थे) तथा उद्योग संघों को सार्वजनिक सूचना की एक प्रति भेजी तथा उन्हें अपने विचार लिखित रूप में प्रस्तुत करने का अवसर प्रदान किया।
- v) प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तुओं के ज्ञात आयातकों (जिनका विवरण याचिकाकर्ता द्वारा उपलब्ध कराया गया था) तथा उद्योग संघों को भेजी और उन्हें पत्र की तारीख से 40 दिनों के अंदर अपने विचार लिखित रूप में देने का अवसर प्रदान किया।
- vi) जाँच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के दौरान भारत में संबद्ध वस्तुओं के किए गए आयातों के ब्यौरे उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय उत्पाद शुल्क एवं सीमाशुल्क बोर्ड (सीबीईसी) से अनुरोध किया गया था।
- vii) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6(3) के अनुसार, याचिका की प्रति ज्ञात निर्यातकों तथा संबद्ध देशों के दूतावासों/उच्चायोगों को उपलब्ध कराई।
- viii) प्राधिकारी ने पूर्वोक्त नियम 6(4) के अनुसार, आवश्यक सूचना प्राप्त करने के लिए संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात निर्यातकों को प्रश्नावली भेजी।
  - (क) मैसर्स गेन पर इंटरप्राइजेज कं० लि०, ताईवान
  - (ख) मैसर्स कावर इंटरप्राइजेज कं० लि०, ताईवान
  - (ग) मैसर्स सोलरटेक टॉप कलर फिल्म लि०, ताईवान
  - (घ) मैसर्स अल-खातीब ब्रॉस ट्रेडिंग, एलएलसी, दुबई, यूएई।
  - (ङ) मैसर्स ऑरप्रो कंपनी, एलएलसी, शारजाह, यूएई
 तथापि, संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित निर्यातकों ने प्रश्नावली का उत्तर दिया था:
  - (क) मैसर्स ऑरप्रो कंपनी, एलएलसी, शारजाह, यूएई
- (ix) संबद्ध देश के नई दिल्ली स्थित दूतावासों/उच्चायोगों/प्रतिनिधियों को नियम 6(2) के अनुसार जाँच आरंभ करने की सूचना दी गई थी और उनसे अपने देश के निर्यातकों/उत्पादकों से निर्धारित समय के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने के लिए आग्रह करने का अनुरोध किया गया था। ज्ञात निर्यातकों/उत्पादकों की सूची सहित निर्यातकों को भेजे गए पत्र, याचिका तथा प्रश्नावली की प्रति भी संबद्ध देशों के दूतावासों/उच्चायोगों को भेजी गई थी।

नियम 6(4) के अनुसार, आवश्यक सूचना प्राप्त करने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के ज्ञात आयातकों तथा उपयोगकर्ताओं को एक प्रश्नावली भेजी गई थी। तथापि, संबद्ध वस्तु के किसी भी आयातक/उपयोक्ता ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया था।

- (x) याचिकाकर्ता से उत्पादन लागत सहित क्षति संबंधी मापदंडों के संबंध में अतिरिक्त सूचना मांगी गई थी, जो प्राप्त भी हो गई थी।
- (xi) प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतर सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध रखा तथा इसे हितबद्ध पार्टियों द्वारा निरीक्षण के लिए खुला रखा।
- (xii) सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जीएएपी) और याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना के आधार पर उत्पादन की इष्टतम लागत और भारत में संबद्ध वस्तु को बनाने और बेचने की लागत निकालने के लिए लागत जांच की गई ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा।
- (xiii) यह \*\*\* चिह्न इस अधिसूचना में हितबद्ध पार्टियों द्वारा गोपनीय आधार पर दी गई सूचना का द्योतक है और नियमों के अंतर्गत प्राधिकारी ने उसे गोपनीय ही माना है।
- (xiv) यह जांच 1 अप्रैल, 2002 से 31 दिसम्बर, 2002 की अवधि के लिए की गई थी।

**ख. याचिकाकर्ताओं के विचार**

2. याचिकाकर्ता ने कहा है कि-

- क) संबद्ध वस्तु के आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- ख) संबद्ध वस्तु का आयात अत्यंत ही कम कीमतों पर हो रहा है। कीमत कटौती अभूतपूर्व है तथा किसी भी मामले में इतनी कटौती नहीं देखी गई है।
- ग) घरेलू बाजार में बिक्री से घरेलू उद्योग को वित्तीय घाटा हो रहा है, जबकि निर्यात बाजार में इसे अच्छा लाभ हो रहा है।
- घ) जिस कीमत पर आयात हुआ है उससे घरेलू उद्योग की कीमतों पर ह्रासकारी/न्यूनकारी प्रभाव पड़ा है।
- ङ) देश में अत्यधिक पाटन के कारण घरेलू उद्योग को अपनी कीमतें उत्पादन लागत से कम करने के लिए बाध्य होना पड़ा है। घरेलू उद्योग की वित्तीय स्थिति में अत्यंत गिरावट आई है। घरेलू उद्योग लाभ की स्थिति से वित्तीय घाटे में आने हेतु बाध्य हुआ है।
- च) जिस कीमत पर उक्त सामग्री का भारत को निर्यात हुआ है वह संबद्ध वस्तु के उत्पादन से संबंधित कच्ची सामग्री की लागत से बहुत कम है।
- छ) सामग्री का निर्यात जिस कीमत पर हो रहा है उस कीमत पर प्लेन पॉलिस्टर फिल्म का आयात किया जा रहा है।
- ज) सामान्य मूल्य तथा निर्यात कीमत को ध्यान में रखते हुए पाटन मार्जिन न सिर्फ महत्वपूर्ण है अपितु पर्याप्त भी है।
- झ) संबद्ध देशों पर पाटनरोधी शुल्क अधिनियम की धारा 9क(3) के अनुसार भूतलक्षी प्रभाव से लगाया जाए।
- ञ) आयात में समग्र रूप में वृद्धि हुई है। उक्त वृद्धि महत्वपूर्ण तथा वास्तविक है।

- ट) भारत में उत्पाद के आयातों की तुलना में ताईवान/यूआई से आयातों की मात्रा में अत्यंत वृद्धि हुई है।
- ठ) भारत में घरेलू उद्योग के उत्पादन की तुलना में आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है।
- ड) भारत में संबद्ध वस्तु की मांग की तुलना में आयातों की मात्रा में वृद्धि हुई है।
- ढ) आयातों की मात्रा में वृद्धि होने के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग की बिक्री में कमी आई है।
- ण) जिस उत्पादन में वर्ष 2001-02 तक वृद्धि हो रही थी उसमें प्रस्तावित जाँच अवधि में कमी आई है। इसके अलावा यह भी देखना चाहिए कि घरेलू उद्योग की निर्यात संबंधी गतिविधियां काफी अधिक हैं इस प्रकार वर्ष 2001-02 तक उत्पादन में वृद्धि निर्यात की उच्च मात्रा के कारण हुई है। पिछले वर्ष की तुलना में जाँच अवधि में घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री में कमी आई है।
- त) घरेलू उद्योग के घरेलू बाजार में बिक्री की मात्रा, जिसमें वर्ष 2001-02 तक वृद्धि हो रही है, जाँच अवधि में कमी आई है। संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटन के कारण भारत में उत्पादन की मांग में वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग अपनी बिक्री में वृद्धि नहीं कर सका है।
- थ) यदि संबद्ध देशों से पाटित आयात जारी रहा तो, घरेलू उद्योग के बिक्री में आगे भी कमी आएगी, क्योंकि कीमतों में कमी करने के बावजूद भी, आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कटौती हो रही है।
- द) वर्तमान सीमाशुल्क लगाने के बाद आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से अत्यधिक कम है। अतः घरेलू उद्योग को कीमत में भारी कटौती करनी पड़ रही है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप, घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में अत्यधिक कमी आई है।
- ध) आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से अत्यधिक कम है, जिसकी वजह से बाजार में कीमतें कम हुई हैं।
- न) घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत घरेलू उद्योग की क्षतिरहित कीमत से कम है। अतः आयातों के कारण बाजार में कम कीमत पर बिक्री की गई है।
- प) जिस कीमत पर सामग्री का आयात किया जा रहा है, उससे यदि अन्य परिवर्ती लागत को छोड़ भी दिया जाए तो कच्ची सामग्री की लागत भी वसूल नहीं की जा सकती है। यहां तक कि घरेलू उद्योग आयातित सामग्री की कीमतों की बराबरी भी नहीं कर सकती।
- फ) कंपनी को मामूली लाभ हो रहा है। अत्यधिक प्रतिस्पर्धी कीमत निर्धारण होने के बावजूद पाटित आयातों की अनुचित कीमतों के कारण कंपनी के माल की मात्रा में वृद्धि के स्थान पर कमी हो रही है।
- ब) उत्पादन में कमी होने के बावजूद, घरेलू उद्योग को मालसूची स्तर में वृद्धि का सामना करना पड़ रहा है।
- भ) उत्पाद की मांग में वृद्धि तथा सकारात्मक होने के बावजूद भी पाटित आयातों के कारण घरेलू बाजार में कंपनी की वृद्धि नकारात्मक रही है।

- म) अन्य देशों से आयात की मात्रा तथा मूल्य या तो न्यूनतम से कम है या बहुत अधिक है। अन्य देशों से आयात के कारण घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है।  
 य) उत्पादन की मांग में वृद्धि हो रही है।

ग) निर्यातकों, आयातों तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

3. निर्यातक के विचार

मैसर्स ऑरप्रो कंपनी, शारजाह, यूएई

मैसर्स ऑरप्रो ने उत्तर देने हेतु प्राधिकारी से 8 सप्ताह तक समय बढ़ाने का अनुरोध किया। तथापि, प्राधिकारी ने निर्धारित प्रश्नावली में जाँच शुरूआत के बारे में उत्तर देने हेतु समय को 15 दिन तक बढ़ाया था। निर्यातक से प्रपत्र में तथा दंग से कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ था। तथापि, निर्यातक ने निवेदन किया है कि मूल्य में अंतर साधारणतः ऑरप्रो द्वारा उत्पादन की कुशल प्रक्रिया को अपनाने के कारण रहा है। तथा अतः यह गरवारे पॉलिस्टर लिमिटेड द्वारा प्रयुक्त प्रक्रिया से अलग है। संबद्ध देश के किसी भी निर्यातक ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया है।

4. अन्य हितबद्ध पार्टियों के विचार

5. जाँच शुरूआत के संबंध में किसी भी अन्य हितबद्ध पार्टी ने उत्तर नहीं दिया।

घ) उठाए गए मुद्दों की जाँच

6. निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्त्ता तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों द्वारा प्रस्तुत निवेदनों की जाँच की गई है, उनपर विचार किया गया है तथा इसमें इसके बाद उचित स्थान पर कार्रवाई की गयी है।

ङ) विचाराधीन उत्पाद

7 i) घरेलू उद्योग के विचार

(क) वर्तमान मामलों में विचाराधीन उत्पाद सन फिल्म है, जिसे व्यापार तथा बाजार की बोली में विभिन्न नामों यथा सन कंट्रोल फिल्म, सनफिल्म, सोलर कंट्रोल फिल्म, सोलर विंडो फिल्म, विंडो फिल्म, के नामों से जाना जाता है। इसका उपयोग ऑटोमोबाइल एवं भवन आदि की खिड़कियों के शीशों पर हीट रिजेक्शन/ ग्लेयर रिजेक्शन, यू.वी. रिजेक्शन, सुरक्षा के लिए होता है।

ख) याचिकाकर्त्ता ने निवेदन किया है कि उत्पाद का वर्णन विभिन्न नामों से भी किया जाता है जिनमें निम्नलिखित शामिल हैं-

- I. सन कंट्रोल फिल्म
- II. सन फिल्म
- III. सोलर फिल्म
- IV. सोलर कंट्रोल फिल्म
- V. सोलर विंडो फिल्म

- VI. विंडो फिल्मस
- VII. सन कंट्रोल पॉलिस्टर फिल्मस
- VIII. हीट सोलर फिल्म आदि ।

ग) सन कंट्रोल फिल्मसको मोटे तौर पर निम्नलिखित में विभाजित किया गया है-

- नॉन रफ्लेक्टिव फिल्मस: विभिन्न शेडों में मानक सन कंट्रोल फिल्मस, जो प्रकाश संचारण की अलग-अलग क्षमता में उपलब्ध हैं।
- रिफ्लेक्टिव या सेमी रिफ्लेक्टिव फिल्मस: ये सन कंट्रोल फिल्मस हैं जिनमें मेटल की कोटिंग/मेटलाइज्ड फिल्मस लेमिनेशन होता है। मेटलाइजेशन सौर ताप की उच्च मात्रा को निविक्रय करने में सहायता करता है।
- मेट फिल्मस: ये ऐसी फिल्म है जिसमें मेट फिनिश होती है, जिसमें यह सुनिश्चित होता है कि संचारित प्रकाश को विकीर्ण कर दिया गया है। इन्हें प्राइवैसी फिल्मस भी कहा जाता है।
- सेफ्टी फिल्मस: ये मोटी फिल्मस हैं जिनका उपयोग आकस्मिक टूट-फूट की वजह से कांच को चटकने से बचाने में होता है। ये पारदर्शी या रंगीन शेडों में हो सकती हैं। इनका प्रकार चाहे कुछ भी हो, आसंजक कोटिंग वाली संबद्ध वस्तु में निरपवाद रूप से दूसरी फिल्म के साथ लेमिनेशन होता है। इस लेमिनेशन को रिलीज लाइनर से पूरा किया जाता है तथा अंतिम प्रयोग से पहले इसे हटा दिया जाता है। संबद्ध वस्तु पर प्रयुक्त आसंजक कांच पर फिल्म चिपकाने में मदद करता है।

घ) संबद्ध वस्तु की विनिर्माण प्रक्रिया में प्लेन पॉलिस्टर फिल्म से डाइड फिल्म का उत्पादन, प्लेन पॉलिस्टर फिल्म (लाइनर) पर सिलिकोनाइजिंग, डाइड पॉलिस्टर फिल्म से स्क्रीन रेशिस्टेंट कोटिंग, प्लेन पॉलिस्टर फिल्म मेटेलाइजेशन, (रिफ्लेक्टिव/सेमी रिफ्लेक्टिव फिल्म के लिए), थर्मोसेटिंग आसंजक से डाइड पॉलिस्टर फिल्म के साथ मेटेलाइज्ड फिल्म पर लेमिनेशन, रिलीज लाइनर का लेमिनेशन आसंजक का उपयोग डाइड/मेटेलाइज्ड फिल्म पर किया जाता है तथा इसके बाद इसे सिलिकॉन रिलीज लाइनर स्ट्रिटिंग तथा गुणता-नियंत्रण के साथ लेमिनेट किया जाता है।

ङ) याचिकाकर्ता भारत में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है और इसलिए वर्तमान याचिका दायर करने की स्थिति में है तथा घरेलू उद्योग है।

च) ताईवान तथा यूएई से निर्यातित उत्पाद तथा याचिकाकर्ता द्वारा आपूरित उत्पाद में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। अतः पाटनरोधी नियमावली के अनुसार याचिकाकर्ता द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु तथा ताईवान एवं यूएई से आयातित वस्तु समान वस्तु है।

(छ) याचिकाकर्ता तथा संबद्ध देश के उत्पादकों द्वारा अपनाई गई उत्पादन प्रक्रिया में कोई ज्ञात अंतर नहीं है।

7( ii ) प्राधिकारी द्वारा जांच:

(क) वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद ताईवान तथा यूएई के मूल की अथवा वहां से निर्यातित विशिष्ट पॉलिस्टर फिल्म अर्थात् सन/डस्ट कंट्रोल पालिस्टर फिल्म है। सन/डस्ट कंट्रोल पालिस्टर फिल्म का उपयोग कांच की खिड़कियों के भीतरी भाग में किया जाता है। इसका मुख्य कार्य सौर ताप चमक, पराबैंगनी प्रकाश तथा रौशनी को कम करना है जो सामान्यतः खिड़की से होकर प्रवेश करती है। यह फिल्म टूट-फूट के प्रति अधिक प्रतिरोधकता भी प्रदान करती है।

वाणिज्यिक बोलचाल में उत्पाद को कई नामों से जाना जाता है। यह स्पष्ट किया जाता है कि वर्तमान याचिका में विचाराधीन उत्पादक के क्षेत्र में व्यापारिक अथवा वाणिज्यिक नामों पर विचार किए बगैर, सभी प्रकार की सन/डस्ट कंट्रोल पॉलिस्टर फिल्में शामिल हैं।

(ख) सन/डस्ट कंट्रोल पॉलिस्टर फिल्म को सीमाशुल्क अधिनियम, 1975 के अध्याय 39 के सीमाशुल्क उपशीर्ष सं० 392069 तथा आईटीसी के अंतर्गत 39206904 के तहत वर्गीकृत किया गया है। तथापि यह वर्गीकरण केवल सांकेतिक है तथा किसी भी प्रकार से वर्तमान जांच के कार्यक्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

(ग) सन/डस्ट कंट्रोल पॉलिस्टर फिल्म का उत्पादन, प्लेन पॉलिस्टर फिल्म को बेस फिल्म के रूप में इस्तेमाल करके किया जाता है, तथा सिलिकॉनाइजिंग, स्क्रेच रेजिजटेंस कोटिंग, मेटलाइजेशन, लैमिनेशन इत्यादि द्वारा इसे आगे प्रसंस्कृत किया जाता है।

(घ) विभिन्न प्रकार की सन/डस्ट कंट्रोल पॉलिस्टर फिल्में जैसे नॉन-रिफ्लेक्टिव फिल्म, रिफ्लेक्टिव अथवा सेमी रिफ्लेक्टिव फिल्म, मैट फिल्म तथा सेफ्टी फिल्म, वर्तमान जांच के क्षेत्र में शामिल हैं।

च. समान वस्तु:

8. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में यह विनिर्दिष्ट है कि समान वस्तु वह वस्तु है जो जो हर दृष्टि से जांचाधीन उत्पाद के समरूप एवं समान है तथा ऐसी वस्तु के अभाव में ऐसी दूसरी वस्तु है जो जांचाधीन वस्तु की विशेषताओं से अत्यधिक मिलती-जुलती है।

वर्तमान जांच में किसी भी प्रतिपक्षी हितबद्ध पार्टी ने समान वस्तु के संबंध में कोई मुद्दा नहीं उठाया है। घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि उसके द्वारा उत्पादित वस्तु, उत्पाद की तकनीकी तथा

वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता के आधार पर संबद्ध देशों से आयातित वस्तु के समान वस्तु है । तदनुसार प्राधिकारी मानते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित की जा रही सन/डस्ट कंट्रोल पालिस्टर फिल्मों, संबद्ध देशों से आयातित फिल्मों के साथ अदल-बदल कर प्रयोग में लाई जा सकती हैं, इसलिए ये वाणिज्यिक तथा तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय है तथा नियम के अर्थ के भीतर समान वस्तु हैं ।

**छ. घरेलू उद्योग:**

9. यह याचिका मै0 गरवारे पॉलिस्टर लि0 मुंबई द्वारा दायर की गई है जो देश में संबद्ध वस्तु का एकमात्र उत्पादक है । जांचअवधि के दौरान भारत में संबद्ध वस्तु के घरेलू उत्पादन में याचिकाकर्ता का हिस्सा 100 % बनता है । तदनुसार प्राधिकारी मानते हैं कि याचिकाकर्ता नियम 5(क) तथा (ख) एवं नियम 2(ख) द्वारा यथापेक्षित, घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने के लिए आवश्यक मानदंड को पूरा करते हैं ।

**ज. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पांटन मार्जिन:**

10. सीमा शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 की धारा 9क(1)(ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का अर्थ है:

( i ) सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तुओं के लिए उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक मूल्य जबकि ऐसी वस्तु निर्यातक देश या क्षेत्र में उपभोग के लिए आशयित हो, या

( ii ) जहां निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में सामान्य व्यापार के दौरान समान वस्तु की कोई बिक्री नहीं हो या विशेष बाजार दशा के कारण अथवा निर्यातक देश या क्षेत्र के स्वदेशी बाजार में बिक्रियों की कम मात्रा के कारण, ऐसी बिक्रियों की समुचित तुलना नहीं हो सकती हो, तो सामान्य मूल्य या तो:-

( iii ) निर्यातक देश या क्षेत्र से या किसी उचित तीसरे देश से आयात किये जाने पर समान वस्तु का उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित तुलनात्मक प्रतिनिधि मूल्य ; या

( iv ) उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिश्चित वस्तु मूल के देश में उक्त वस्तु के उत्पादन की लागत जिसमें प्रशासनिक बिक्री और सामान्य लागतों एवं लाभों के लिए उचित वृद्धि की गई हो ।



(v) बशर्ते कि वस्तु का आयात जब मूलता के देश से भिन्न अन्य किसी देश से किया गया हो तथा जहां वस्तु निर्यात के देश से केवल गुजरी हो या ऐसी वस्तु निर्यात के देश में उत्पादित नहीं होती हो या निर्यात के देश में उसका कोई तुलनात्मक मूल्य नहीं हो तो इसके सामान्य मूल्य का निर्धारण मूलता के देश में इसके मूल्य के संदर्भ में किया जाएगा।

(vi) प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के निर्यातकों को अवसर प्रदान किया ताकि वे उपरोक्त धारा के अनुसार जांच संबंधी सूचना तथा टिप्पणियां यदि कोई हों, प्रस्तुत कर सकें। प्राधिकारी ने भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों/उच्चायोगों/प्रतिनिधियों को भी लिखा था।

#### 11. ताईवान

##### (क) सामान्य मूल्य

प्राधिकारी नोट करते हैं कि ताईवान के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सूचना उपलब्ध नहीं कराई है।

इसलिए प्राधिकारी का मानना है कि ताईवान के किसी भी निर्यातक ने नियमानुसार प्राधिकारी को सहयोग नहीं किया है। इस स्थिति में, सामान्य मूल्य उपर्युक्त नियम 6(8) के अंतर्गत घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार सन/डस्ट कंट्रोल पॉलिस्टर फिल्म के लिए यथोचित लाभ के साथ, उत्पादन की परिकलित लागत पर आधारित है। तदनुसार, ताईवान के सभी निर्यातकों के लिए सन/डस्ट कंट्रोल पॉलिस्टर फिल्म का सामान्य मूल्य \*\*\* अम0 डा0/किग्रा0 लिया गया है।

##### (ख) निर्यात कीमत

ताईवान के निर्यातकों अथवा भारत के आयातकों में से किसी ने प्रश्नावली के उत्तर में निर्यात कीमत के ब्यौरे प्रस्तुत नहीं किए हैं।

प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस, कोलकाता द्वारा प्रस्तुत की गई निर्यात कीमत को अपनाया है। याचिकाकर्ता के दावे के आधार पर, समुद्री भाड़े, बीमा तथा कमीशन के लिए कुल \*\*\* अमरीकी डालर/किग्रा0 के समायोजनों पर विचार किया गया है। इस प्रकार जांच अवधि के दौरान कारखाना-द्वार पर निर्यात कीमत \*\*\* अमरीकी डालर/किग्रा0 बनती है।

#### 12. यू ए ई:

##### (क) सामान्य मूल्य:

प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूएई के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने निर्धारित प्रश्नावली के अनुसार सूचना उपलब्ध नहीं कराई है।

इसलिए प्राधिकारी का मानना है कि यू ए ई के किसी भी निर्यातक ने नियमों के तहत प्राधिकारी को सहयोग नहीं किया है। इस स्थिति में सामान्य मूल्य, उपर्युक्त नियम 6(8) के अंतर्गत घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के अनुसार, सन/डस्ट कंट्रोल पॉलिस्टर फिल्म के लिए यथोचित लाभ के साथ, उत्पादन की परिकलित लागत पर आधारित है। तदनुसार यू ए ई के सभी निर्यातकों के लिए सन/डस्ट कंट्रोल पॉलिस्टर फिल्म का सामान्य मूल्य \*\*\* अमरीकी डा०/किग्रा० निर्धारित किया गया है।

(ख) निर्यात कीमत:

यूएई के निर्यातकों अथवा भारत के आयातकों में से किसी ने प्रश्नावली के उत्तर में निर्यात कीमत के ब्योरे प्रस्तुत नहीं किए हैं। प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस, कोलकाता द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत स्वीकार की है। याचिकाकर्ता के दावे के आधार पर समुद्री भाड़े, बीमा, अंतर्देशीय भाड़े तथा कमीशन के लिए कुल \*\*\* अमरीकी डालर/किग्रा० की राशि स्वीकार की गयी है। इस प्रकार जांच अवधि के दौरान कारखाना द्वार पर कीमत \*\*\* अम० डा०/किग्रा० बनती है।

झ. पाटन मार्जिन:

13. तुलना से संबंधित नियमों में निम्नानुसार प्रावधान है।

"पाटन मार्जिन निकालते समय, निर्दिष्ट प्राधिकारी निर्यात कीमत और सामान्य मूल्य के बीच उचित तुलना करेगा। यह तुलना व्यापार के उसी स्तर पर सामान्यतया कारखाना द्वारा स्तर पर की जाएगी और यथासंभव उसी समयावधि के दौरान की गई बिक्रियों के संबंध में की जाएगी।

जो अंतर तुलनीयता पर प्रभाव डालते हैं, उनके लिए प्रत्येक मामले में गुण-दोष के आधार पर समुचित छूट दी जाएगी ; अन्तर में शामिल हैं - बिक्री की शर्तें, कराधान व्यापार के स्तर, मात्राएं, वास्तविक विशेषताएं तथा कोई अन्य अन्तर जो कीमत तुलनीयता को प्रभावित करने के लिए प्रदर्शित किए जाते हैं।"

प्राधिकारी ने संबद्ध वस्तु के सभी निर्यातकों/उत्पादकों के लिए पाटन मार्जिन के मूल्यांकन के लिए भारत औसत सामान्य मूल्य की तुलना जांच अवधि में भारत औसत कारखाना द्वार पर निर्यात कीमत के साथ की है।

पाटन मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है । संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन निम्नानुसार है:-

देशवार निर्यातक/उत्पादक	सामान्य मूल्य(डा0/मी0टन)	निर्यात कीमत (डा0/मी0टन)	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन (%)
<u>यू ए ई</u> सभी निर्यातक	***	***	***	213 %
<u>ताईवान</u> सभी निर्यातक	***	***	***	700 %

### अ क्षति

14. उपरोक्त नियम 11 अनुबंध II के तहत जब क्षति के बारे में किसी निष्कर्ष पर पहुंचा जाता है तो इस प्रकार के निष्कर्ष में \*\*\* पाटित आयातों की मात्रा घरेलू बाजार में समान वस्तुओं की कीमतों पर उनके प्रभाव तथा इस प्रकार की वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत तथ्यों पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निर्धारण शामिल होगा" । कीमतों पर पाटित आयातों के कारण भारत में समान वस्तुओं की कीमत की तुलना में कोई उल्लेखनीय गिरावट आई है अथवा नहीं अथवा क्या इस प्रकार के आयातों से कीमत में कोई अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक गिरावट आई है अथवा कीमत वृद्धि में अन्यथा रूकावट आयी है जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक बढ़ गई होती।

भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने उपरोक्त नियमावली के अनुबंध-II (iv) के अनुसार ऐसे अन्य सूकेतकों पर जो उद्योग की दशा स्थिति उत्पादन क्षमता उपयोग, बिक्रीमात्रा, स्टाफ, लाभप्रद, निवल, बिक्री प्राप्ति पाटन की मात्रा एवं मार्जिन इत्यादि से संबंधित हो, विचार किया गया है।

### ट. क्षति का संचयी मूल्यांकन

15. नियमावली के अनुबंध-II के नियम (1\*) के अनुसार यह अपेक्षित है कि एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयातों के मामले में जब पाटनरोधी जांच एक साथ की जा रही है तो प्राधिकारी इस प्रकार के आयातों का संचयी रूप से आकलन करेगा। तथापि इस प्रकार का आकलन तभी किया जा सकता है जब यह निर्धारित हो जाए कि प्रत्येक देश से आयातों के संबंध में पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त 2 प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से हुए आयातों की मात्रा भारत में समान वस्तु के आयात को 3 प्रतिशत है अथवा जहां प्रत्येक देश का निर्यात 3 प्रतिशत से कम है वहां संचयी रूप से आयात समान वस्तु के आयातों का 7 प्रतिशत से अधिक बनता है और आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन, आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थितियों की दृष्टि से उचित है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटन मार्जिन तथा संबद्ध देश से हुए आयातों की मात्रा ऊपर निर्धारित सीमाओं से अधिक है। ताईवान और यूएई के आयातों के प्रभाव का संचयी

आकलन उचित है क्योंकि इन देशों की निर्यात कीमत भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा दी गयी कीमतों से प्रत्यक्ष रूप से प्रतिस्पर्धा कर रही है और वहां घरेलू उत्पादकों को विस्थापित कर रही है।

16. ऊपर यथा उल्लिखित घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले सभी आर्थिक मापदण्डों जैसे उत्पादन क्षमता का उपयोग, बिक्री की मात्रा, इत्यादि की निम्नानुसार जांच की गई है:-

क. आयातों की मात्रा और बाजार:

यूआई के मामले में सन/डस्ट कंट्रोल पॉलिस्टर फिल्म के आयातों की मात्रा के संबंध में सूचना डीजीसीआईएंडएस, कलकत्ता द्वारा प्रकाशित सूचना पर आधारित रही है और ताईवान के मामलों में गौण स्रोतों (आयातों के बारे में सौदेवार सूचना मैसर्स इन्फोरमेंट, मुम्बई द्वारा यथा संकलित एवं प्रदत्त) पर आधारित है क्योंकि ताईवान के लिए डीजीसीआईएंडएस द्वारा दी गई सूचना के अनुसार जांच अवधि के दौरान मात्र 16639 कि०ग्रा० है। आयातों की मात्रा और उनका बाजार हिस्सा निम्न सारणी में दिया गया है:-

विवरण	1999-2000	2000-2001	2001-2002	जांच अवधि (अप्रैल से दिस. 02)	जांच अवधि वर्षिकृत
कि०ग्रा० में	मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा	मात्रा
आयात					
ताईवान	2464	9107	30478	91206	121608
यूआई	0	0	6000	10592	14123
संबद्ध देश	2464	9107	36478	101798	135731
अन्य देश	11833	2372	38988	29605	39473
कुल आयात	14297	11479	75466	131403	175204
घरेलू बिक्री	193560	194980	208000	135000	180000
मांग	207857	206459	283466	266403	355204
आयातों में बाजार हिस्सा					
ताईवान(%)	17.23	79.34	40.39	69.41	69.41
यूआई(%)	0.00	0.00	7.95	8.06	8.06
संबद्ध देश(%)	17.23	79.34	48.34	77.47	77.47

अन्य देश(%)	82.77	20.66	51.66	22.53	22.53
कुल (%)	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00
मांग में हिस्सा					
संबद्ध देश	1.19	4.41	12.87	38.21	38.21
घरेलू उद्योग	93.12	94.44	73.38	50.68	50.68
अन्य देश	5.69	1.15	13.75	11.11	11.11

टिप्पणी: सभी आयात ताईवान को छोड़कर डीजीसीआईएंडएस के अनुसार हैं। ताईवान के मामले में गौण स्रोत अर्थात् इन्फोरमेंट, मुंबई के अनुसार हैं।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि:-

- क) संबद्ध देश से आयातों की मात्रा में निरपेक्ष रूप से अत्यधिक वृद्धि हुई है।
- ख) कुल आयातों में संबद्ध देशों के आयातों के हिस्से में काफी वृद्धि हुई है।
- ग) भारत में उत्पाद की कुल मांग में संबद्ध देशों के आयातों के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि उपरोक्त से यह स्पष्ट प्रदर्शित होता है कि घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के कारण प्रतिकूल मात्रात्मक प्रभाव पड़ा है।

ख) घरेलू उद्योग से संबंधित विभिन्न मापदण्ड निम्नानुसार हैं:-

1. याचिकाकर्ता की स्थापित क्षमता इस अवधि के दौरान एक समान रही है।
2. घरेलू उद्योग के प्रभावी उत्पादन में काफी वृद्धि हुई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि संबद्ध माल की विभिन्न किस्मों का उत्पादन किया जाता है इसलिए इन वर्षों में वास्तविक उत्पादन की तुलना करना उचित नहीं है। याचिकाकर्ता ने फिल्मों की विभिन्न किस्मों के उत्पादन को सिंगल प्लाई सन फिल्म में बदलने के बाद प्रभावी उत्पादन का निर्धारण किया है। इसे "प्रभावी उत्पादन" कहा गया है। यह बात नोट की जाती है कि संबद्ध माल के प्रभावी उत्पादन में पर्याप्त वृद्धि हुई है।
3. प्रभावी उत्पादन में वृद्धि होने के फलस्वरूप घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई है।
4. याचिकाकर्ता के पास संबद्ध माल की निजी खपत नगण्य है। अतः निजी खपत के स्वरूप में परिवर्तन होने से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं हुई है।
5. घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की बिक्री मात्राओं में वृद्धि दर्ज होने के पश्चात् गिरावट आई है।
6. घरेलू उद्योग की निर्यात बिक्रियों में वर्ष 2000-01 में मामूली गिरावट के बाद पर्याप्त वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

7. आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत से काफी कम है। कीमत कटौती की सीमा इतनी अधिक है कि आयातों की पहुंच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत का 1/5 है।
8. संबद्ध माल की अंतोत्पात्ता खपत व्यापक रूप से जनता द्वारा की जाती है। घरेलू और आयातित उत्पाद के बीच कीमत में व्यापक अंतर को देखते हुए आयात संबद्ध माल का स्थान ले रहे हैं। परिणामस्वरूप यद्यपि घरेलू उद्योग के हिस्से में पर्याप्त गिरावट आई है तथापि संबद्ध आयात के हिस्से में काफी वृद्धि हुई है।
9. इस अवधि में घरेलू उद्योग के औसत स्तोक में वृद्धि हुई है।
10. उत्पादन स्तरों में वृद्धि के अनुरूप उत्पादन प्रति कार्य दिवस में वृद्धि हुई है।
11. जहां उत्पादन की इकाई लागत में वृद्धि हुई है वहीं बिक्री कीमत में भी वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग को पहले वित्तीय घाटा हो रहा था। तथापि घाटे में तीव्र गिरावट आयी और घरेलू उद्योग ने वर्ष 2001-02 में लाभ दर्ज किया। घरेलू उद्योग को जाँच अवधि के दौरान वित्तीय घाटा झेलना पड़ा। हालांकि घरेलू उद्योग को घरेलू बाजार में बिक्रियों में वित्तीय घाटा हुआ तथापि उसने निर्यात बाजार में अपनी लाभप्रदता में पर्याप्त सुधार किया।
12. निवेशित पूंजी पर नकद प्रवाह एवं आय लाभप्रदता की उस प्रवृत्ति का अनुकरण करती है जो पूर्ववर्ती वर्ष में सकारात्मक होने के बाद जाँच अवधि में घरेलू बिक्रियों में पुनः नकारात्मक हो गयी थी।
13. रोजगार एवं मजदूरी में सकारात्मक सुधार प्रदर्शित होता है। तथापि इसे घरेलू उद्योग के महत्वपूर्ण निर्यात कार्यकलापों के आलोक में देखा जाना है।
14. पाटन मार्जिन काफी अधिक है। आयातों की बहुत कम कीमत और पाटन की सीमा को देखते हुए। पाटन का प्रभाव अत्यधिक प्रतिकूल होगा।
15. नोट किया जाता है कि संबद्ध माल की मांग सकारात्मक है। तथापि, घरेलू बिक्री की प्रगति में वृद्धि नकारात्मक है।

#### ठ. कारणात्मक संबंध

17(क) घरेलू उद्योग को प्रभावित करने वाले विभिन्न मापदंडों की ध्यानपूर्वक जांच करने के पश्चात प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से हुए आयातों का पहुंच मूल्य घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत और बिक्री कीमत से काफी कम है। तदनुसार मांग में आयातों के बाजार हिस्से और भारत में आयातों के हिस्से में भी अत्यधिक वृद्धि हुई है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग ने काफी बाजार हिस्सा खो दिया है। यह भी नोट किया गया है कि घरेलू उद्योग का निष्पादन 1999-2000 और 2001-02 के बीच लगातार सुधरने के पश्चात जाँच अवधि में दुबारा बिगड़ गया।

(ख) प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि अन्य देशों से आयात की कीमत अपेक्षाकृत अधिक है। साथ ही साथ उनके हिस्से में भारी गिरावट आई है जबकि संबद्ध देशों से आयातों के हिस्से में काफी वृद्धि हुई है। इस प्रकार अन्य देशों से हुए आयातों ने घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं पहुंचाई है। संबद्ध वस्तु की मांग में वृद्धि दिखाई दी है मांग में संभावित गिरावट से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति नहीं पहुंच सकती है। घरेलू उद्योग

विश्व के अनेक देशों को इस उत्पाद का निर्यात कर रहा है। ने केवल इसकी निर्यात कीमत अधिक है बल्कि इसकी मात्रा में भी वृद्धि हुई है। अतः घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन घरेलू उद्योग की वास्तविक क्षति का कारण नहीं रहा है। क्षति का कोई अन्य कारक प्राधिकारी की जानकारी में नहीं लाया गया है।

(ग) ओरप्रो कंपनी, यू ए ई द्वारा यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उद्योग की क्षति का कारण ओरप्रो द्वारा अपनाई गई अधिक कुशल प्रक्रिया है। तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने विश्व के अनेक देशों को इस सामग्री का निर्यात किया है। अन्य देशों को इसकी निर्यात कीमत घरेलू बाजार में इसकी कीमतों से अधिक कही जा सकती है। वास्तव में घरेलू उद्योग ने यू ए ई और ताइवान को सामग्री का निर्यात उस कीमत से काफी अधिक कीमत पर किया है जिस पर इस सामग्री का भारत में आयात किया जा रहा है। वास्तव में जिस कीमत पर इस सामग्री का भारत को निर्यात किया गया है, वह प्लेन पोलिस्टर फिल्म की कीमत से कम है, ऐसे अन्य रसायनों की लागत की बात ही छोड़ दें जिनका लागत में पर्याप्त हिस्सा होता है और जिन्हें संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने के लिए मिलाया जाता है। इसके अलावा प्लेन फिल्म को संबद्ध वस्तु में परिवर्तित करने की लागत में भी भारी मूल्य वर्धन करने की आवश्यकता होती है। इस प्रकार यह नहीं कहा जा सकता है कि घरेलू उद्योग ने अपेक्षाकृत अकुशल प्रक्रिया अपनाई है।

#### ड. भारतीय उद्योग का हित और अन्य मुद्दे

18(क) सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का उद्देश्य ऐसे पाटन को समाप्त करना है जिससे याचिकाकर्ता कंपनी को नुकसान हो रहा है तथा भारतीय बाजार में ऐसी खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की पुनः स्थिति लाना है जो कि देश के सामान्य हित में है।

(ख) प्राधिकारी यह मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से संबद्ध वस्तुओं के उपयोग से विनिर्मित उत्पादों के कीमत स्तर प्रभावित होंगे और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धात्मकता पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है। किन्तु पाटनरोधी उपायों से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी विशेषकर तब जब पाटनरोधी शुल्क की लेवी उस राशि तक ही सीमित कर दी जाए जो कि याचिकाकर्ता कंपनी को हुए नुकसान को

कम करने के लिए आवश्यक है। इसके विपरीत पाटनरोधी उपायों को लागू करने से पाटन द्वारा प्राप्त हुए अनुचित लाभ समाप्त होंगे, याचिकाकर्ता कंपनियों के ह्रास को रोका जा सकेगा और इस प्रकार सन/डस्ट कंट्रोल पोलिस्टर फिल्म के उपभोक्ताओं के लिए व्यापक विकल्प उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी। पाटनरोधी उपायों से संबद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार कम नहीं होंगे, इसलिए उपभोक्ताओं के लिए उत्पाद की उपलब्धता पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

#### ढ. निष्कर्ष

19. पूर्वोक्त पर विचार करने के पश्चात यह देखा गया है कि:

- (क) संबद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सन/डस्ट कंट्रोल पोलिस्टर फिल्म का भारत को निर्यात सामान्य मूल्य से कम कीमत पर किया गया है जिसके कारण पाटन हुआ है;
- (ख) घरेलू उद्योग को ताइवान और यू ए ई से हुए संबद्ध वस्तु के निर्यात से वास्तविक क्षति हुई है;
- (ग) यह क्षति संचयी रूप ताइवान और यू ए ई से हुए आयातों के कारण हुई है

यह आवश्यक समझा गया है कि अंतिम निर्धारण होने तक ताइवान और यू ए ई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सन/डस्ट कंट्रोल पोलिस्टर फिल्म के सभी आयातों पर अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।

20. इस बात पर विचार किया गया था कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क की राशि लगाना क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा। इस उद्देश्य के लिए आयातों की औसत पहुंच कीमत की तुलना जांच अवधि के लिए निर्धारित याचिकाकर्ता कंपनी की क्षति रहित कीमत के साथ की गई थी। जहां अंतर पाटन मार्जिन से कम रहा था वहां पाटन मार्जिन से कम शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है। तदनुसार यह प्रस्ताव किया जाता है कि अंतिम निर्धारण होने तक सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम 1975 के अध्याय 39 या किसी दूसरे अध्याय के अंतर्गत आने वाले ताइवान और यू ए ई के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी ग्रेडों पर केन्द्र सरकार द्वारा इस संबंध में जारी की जाने वाली अधिसूचना की तिथि से नीचे कॉलम (2) में दी गई राशि और आयातों के पहुंच मूल्य के बीच के अंतर की राशि के बराबर का अनन्तिम पाटनरोधी शुल्क लगाया जाए।



-A

क्र. सं.	सीमा शुल्क उप शीर्ष	वस्तु विवरण	का	विनिर्देशन	उद्गम देश	निर्यात देश	उत्पाद	निर्यातक	राशि	माप की इकाई	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	
1	39.20.65.	सन/डस्ट कंट्रोल पोलिस्टर फिल्म	कोई विनिर्देशन	ताइवान	कोई देश	कोई उत्पाद	कोई	10.99	प्रति मी.टन	यू एस डालर	
2	39.20.69.	सन/डस्ट कंट्रोल पोलिस्टर फिल्म	कोई विनिर्देशन	यूएई छोड़कर कोई देश	ताइवान	कोई उत्पाद	कोई	10.99	प्रति मी.टन	यू एस डालर	
3	39.20.69.	सन/डस्ट कंट्रोल पोलिस्टर फिल्म	कोई विनिर्देशन	यू ए ई	कोई देश	कोई उत्पाद	कोई	10.46	प्रति मी.टन	यू एस डालर	
4	39.20.69.	सन/डस्ट कंट्रोल पोलिस्टर फिल्म	कोई विनिर्देशन	ताइवान छोड़कर कोई देश	यू.ए.ई.	कोई उत्पाद	कोई	10.46	प्रति मी.टन	यू एस डालर	

-A

2.1 इस उद्देश्य के लिए आयातों का पहुंच मूल्य सीमाशुल्क अधिनियम 1975 की धारा 3, 3क, 8ख, 9 और 9 क के तहत लगाए गए अतिरिक्त सीमा शुल्कों को छोड़कर सीमाशुल्क अधिनियम 1962 के अधीन सीमाशुल्क द्वारा यथा आकलित निर्धारणीय मूल्य होगा और उसमें सभी प्रकार के सीमाशुल्क शामिल होंगे।

#### ण. आगे की प्रक्रिया

22 प्रारंभिक जांच परिणामों को अधिसूचित करने के बाद निम्नलिखित प्रक्रिया का पालन किया जाएगा:-

(क) प्राधिकारी सभी हितबद्ध पार्टियों से इन जांच परिणामों के बारे में टिप्पणियां आमंत्रित करेंगे और उन पर अंतिम जांच परिणामों में विचार किया जाएगा;

(ख) प्राधिकारी द्वारा निर्यातकों, आयातकों, याचिकाकर्ता तथा अन्य हितबद्ध पार्टियों को अलग से लिखा जा रहा है जो पत्र की प्रेषण की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचार प्रस्तुत कर सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पार्टी भी इन जांच परिणामों के प्रकाशन की तारीख से 40 दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकती हैं।

(ग) प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे जांच करेंगे।

(घ) अंतिम जांच परिणामों की घोषणा से पहले प्राधिकारी आवश्यक तथ्यों का प्रकटन करेंगे।

एल. वी. सप्तर्षि, निर्दिष्ट प्राधिकारी

### MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

#### NOTIFICATION

New Delhi, the 25th July, 2003

#### Preliminary Finding

**Subject : Anti-Dumping Investigations concerning imports Sun/Dust Control Polyester film into India of originating in or exported from Taiwan and United Arab Emirates (UAE).**

No. 14/53/2002-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended in 1995 and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, thereof.

#### A. PROCEDURE:

1. The procedure described below has been followed with regard to the investigations:-

- (i) The Designated Authority (hereinafter referred to as Authority), under Rules, received written application from M/s. Garware Polyester Ltd., Mumbai alleging dumping of Sun/Dust Control Polyester Film (hereinafter referred to as subject goods), originating in or exported from Taiwan and UAE (hereinafter referred to as subject countries).
- (ii) The Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the petitioner, decided to initiate investigations against imports of Sun/Dust Control Polyester Film from the subject countries. The Authority notified the Embassies/High Commissions/ Representatives of subject countries about the receipt of dumping allegation before proceeding to initiate investigations in accordance with sub-rule 5(5) of the Rules;
- (iii) The Authority issued a Public Notice dated the 3<sup>rd</sup> March, 2003, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating Anti-Dumping investigations concerning imports of Sun/Dust Control Polyester Film originating in or exported from the subject countries, classified under Custom sub-headings 39.20.69.04 under Chapter 39 of the Customs Tariff Act, 1975.
- (iv) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known exporters (whose details were made available by the petitioners) and Industry associations and gave them an opportunity to make their views known in writing in accordance with Rule 6(2);
- (v) The Authority forwarded a copy of the Public Notice to the known importers of subject goods in India (whose details were made available by the petitioners) and advised them to make their views known in writing within forty days from the date of the letter;
- (vi) Request was made to the Central Board of Excise and Customs (CBEC) to arrange details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigations;
- (vii) The Authority provided a copy of the petition to known exporters and the Embassies/High Commissions of the subject countries in accordance with Rules 6(3) supra.
- (viii) The Authority sent questionnaire, to elicit relevant information, to the known exporters from subject countries as mentioned below in accordance with the rule 6(4):-
  - (a) M/s Gain Per Enterprise Co. Ltd., Taiwan.
  - (b) M/s Cawor Enterprise Co. Ltd., Taiwan.
  - (c) M/s Solartek Top Colour Film Ltd., Taiwan.
  - (d) M/s Al-Khateeb Bros Trading L.L.C. Dubai, UAE.
  - (e) M/s Orpro Company L.L.C. Sharjah, UAE.

The response was, however, filed by the following exporters of subject goods:

(a) M/s Orpro Company LL.C. Sharjah, UAE.

- (ix) The Embassies/High Commissions/ Representatives of the subject countries in New Delhi were informed about the initiation of the investigations in accordance with Rule 6(2) with a request to advise the exporters/producers from their country to respond to the questionnaire within the prescribed time. A copy of the letter, petition and questionnaire sent to the exporter was also sent to the Embassies/High Commissions of subject countries along with a list of known exporters/ producers.

A questionnaire was sent to known importers and Consumers of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4). No response was, however, filed by any of the importers / consumers of subject goods.

- (x) Additional information regarding injury parameters including cost of production was sought from the petitioner, which was also received;
- (xi) The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- (xii) Optimum cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the petitioner on the basis of Generally Accepted Accounting Principles(GAAP) was worked out so as to ascertain if Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry;
- (xiii) \*\*\* in this Notification represents information furnished by the petitioner on confidential basis and so considered by Authority under the Rules;
- (xiv) Investigation was carried out for the period starting from 1<sup>st</sup> April, 2002 to 31<sup>st</sup> December, 2002.

**B. PETITIONER'S VIEWS:**

2. The petitioners have submitted that:-

- (a) There is a very significant increase in the imports of the subject goods.
- (b) The price at which subject goods are being imported is ridiculously low. The extent of price undercutting is unprecedented and has not been seen in any other cases.
- (c) The Domestic Industry is making financial losses from the sales in the domestic market, whereas it is making decent profits in the export markets.
- (d) The price at which the imports have been made would have serious suppressing / depressing effect on the prices of the Domestic Industry.

- (e) The Domestic Industry has been forced to reduce the prices below the cost of production as a result of significant dumping in the country. The financial situation of the Domestic Industry has deteriorated significantly. The Domestic Industry has been forced to a situation of significant financial losses from a situation of profit.
- (f) The price at which the material has been exported to India is far below the raw materials cost associated with production of the subject goods.
- (g) The price at which material is being exported is the price at which plain polyester film is being imported.
- (h) Considering the normal value and export price the dumping margin is not only significant but also substantial.
- (i) The Anti Dumping Duty against the subject countries may be imposed with retrospective effect in accordance with Section 9A(3) of the Act
- (j) Imports have increased in absolute terms. The increase is significant and material;
- (k) Imports have increased significantly from Taiwan / UAE in relation to imports of the product in India;
- (l) Imports have increased in relation to production of the domestic industry in India;
- (m) Imports have increased in relation to demand of the subject goods in India;
- (n) As a result of increase in imports, the sales of the domestic industry have declined.
- (o) Production, which has been increasing till 2001-02 declined in proposed period of investigation. Moreover, it should also be seen that the domestic industry has significant export activities. Thus, increase in production till 2001-02 is due to higher export volumes. The domestic sales of the domestic industry have declined in period of investigation when compared to previous years;
- (p) Sales volumes in the domestic market of the Domestic Industry , which has been increasing till 2001-02, declined in investigation period. Due to dumping of subject goods from subject countries, the domestic industry has not been able to increase its sales in spite of increase in demand of product in India.
- (q) Should the dumped imports from subject countries continue, the domestic industry would loose further sales, as in spite of reducing prices, the imports are significantly undercutting the prices of the domestic industry.

- (r) The landed price of imports after charging prevailing level of customs duties is significantly below the selling price of the domestic industry. Thus, the domestic industry is facing severe price undercutting. As a direct result, the domestic industry has lost significant sales volumes;
- (s) The landed price of imports is significantly below the non-injurious price of domestic industry causing price suppression;
- (t) The selling price of domestic industry is below the non-injurious price of the domestic industry. The imports are thus resulting in price underselling in the market.
- (u) The price at which material is being imported do not permit recovery of even raw material cost, leave aside other variable cost. The domestic industry can not even think to match the price of imported material.
- (v) Company has been making very marginal profits. In spite of very competitive pricing, the company is loosing volumes, rather than increasing the same, due to unfairly priced dumped imports.
- (w) In spite of reduction in production, the domestic industry is faced with increasing inventory levels.
- (x) Even when the demand for the product has been growing and is positive, the growth of the company in the domestic market has been negative due to dumped imports.
- (y) Volume and value of imports from other countries are either de-minimus or the prices are significantly higher. Imports from other countries are not causing injury to the domestic industry.
- (z) Demand for the product is on the increase.

C. **IEWS OF EXPORTERS, IMPORTERS AND OTHER INTERESTED PARTIES:**

3. **EXPORTERS' VIEWS**

**M/S ORPRO COMPANY, LCC, SHARJAH, UAE**

M/s ORPRO requested the Authority for grant of extension to file response by eight weeks. The Authority, however, granted an extension of 15 days to file reply to the initiation in the prescribed questionnaire. No response in the form and manner has been received from the exporter. However, the exporter has submitted that the price difference is due to the simpler reason and more efficient process of production employed by Orpro and it is therefore different from used by Garware Polyester Ltd.

No other exporter from the subject countries has filed any response to the questionnaire.

4. **IEWS OF OTHER INTERESTED PARTIES**

5. None of the other interested parties filed any response to the initiation.

**D. EXAMINATION OF THE ISSUES RAISED:**

6. The submissions made by the exporters, importers, petitioner and other interested parties have been examined, considered and have been dealt with at appropriate places hereinafter.

**E. PRODUCT UNDER CONSIDERATION:****7 (i) VIEWS OF THE DOMESTIC INDUSTRY**

- (a) Product under consideration in the present case is sun film, known by different names in the trade and market parlance such as Sun Control Films, Sun Films, Solar films, Solar Control Films, Solar Window Films, Window Films, largely used for heat rejection/glare reduction U.V. rejection, safety, by applying on window glasses, for automobiles as well as buildings, etc.
- (b) Petitioner has submitted that the product is also described by various names, which include the following: -
- i. Sun Control Films
  - ii. Sun Films,
  - iii. Solar films,
  - iv. Solar Control Films,
  - v. Solar Window Films,
  - vi. Window Films,
  - vii. Sun Control Polyester Film
  - viii. Heat Solar Film, etc.
- (c) Sun control films are broadly categorized as follows:-
- Non-reflective films: standard sun control film with different shades, available in different degree of light transmission.
  - reflective or semi-reflective films: these are sun control films with a metallised coating/ metallised film lamination. The metallisation helps in rejecting higher degree of solar heat.
  - matte films: these are films with a matte finish, which ensures that the transmitted light to be diffused. They are also called privacy films.
  - safety films: these are thicker films used for protecting the glass from splintering due to accidental breakage. They may be clear or with coloured shades.

Whatever be the types, subject goods with adhesive coating would invariably have lamination with another film. This lamination is done with the release liner and is removed before end application. The adhesive on the subject good helps in sticking the film to the glass.

- (d) The process of manufacturing of the subject goods involves Production of Dyed Film from Plain Polyester Film, Siliconizing on the Plain Polyester Film (Liner), Scratch resistant coating on the dyed polyester film, Metallisation on Plain Polyester Film, (for reflective / semi reflective films), Lamination of metallized film with dyed polyester film with thermosetting

adhesive, Lamination of release liner – The adhesive is applied on the dyed/metallized film and then laminated with Silicon release liner, Slitting and Quality Control.

- (e) Petitioner is the sole producer of the subject goods in India and, therefore satisfies standing to file the present petition and constitutes domestic industry.
- (f) There is no known difference between the product exported from Taiwan and UAE and the product supplied by the petitioner. Therefore, subject goods produced by the petitioner is a like article to the goods imported from Taiwan and UAE in accordance with the anti-dumping Rules.
- (g) There is no known difference between the production process employed by the petitioner and the producer in the subject country.

**7(ii) Examination by the Authority :**

- (a) The product under consideration in the present investigation is Specialty Polyester Film i.e. Sun / Dust Control Polyester Film originating in or exported from Taiwan and UAE. Sun/ Dust Control Polyester Film is applied to the inner side of the glass windows. Its main function is to reduce the solar heat glare, ultra violet light and glare that normally would enter through the windows. This film also provides increased shatter resistance.

The product is described by several names in the commercial parlance. It is clarified that the scope of the product under consideration in the present petition extends to all types of sun/dust control polyester films, regardless of trade or commercial names used.

- (b) Sun/Dust Control Polyester Film is classified under Customs sub heading No. 392069 under Chapter 39 of the Customs Tariff Act, 1975 and 39206904 under ITC. The classification is, however, indicative only and is in no way binding on the scope of the present investigation.
- (c) Sun/Dust Control Polyester Film is produced using plain polyester film as the base film and is processed further by way of siliconising, scratch resistance coating, metallisation, lamination, etc.
- (d) Various types of Sun/Dust Control Polyester Film, viz. Non reflective films, reflective or semi-reflective film, matte film and safety films are within the scope of the present investigations.



**F     LIKE ARTICLES:**

8. Rule 2(d) of the Anti-Dumping Rules specifies that "Like Articles" means an Article which is identical or alike in all respects to the product under investigation or in the absence of such an Article, another article, having characteristics closely resembling those of the articles under examination.

In the present investigation none of the opposing interested parties have raised any issue with regard to the Like Article. Domestic industry claimed that the goods produced by it are like article to the goods imported from the subject countries on the basis of technical and commercial substitutability of the product. Accordingly the Authority holds that Sun/Dust Control Polyester Film being produced by the domestic industry and those being imported from the subject countries can be used interchangeably and thus are commercially and technically substitutable and therefore, are like articles within the meaning of the Rules.

**G.     DOMESTIC INDUSTRY:**

9. The petition has been filed by M/s. Garware Polyester Ltd., Mumbai and is the sole producer of the subject goods in the country. The petitioner accounts for 100% of the domestic production during the period of investigation of the subject goods in India. Accordingly, the Authority holds that the petitioner fulfils the requisite criteria to represent the domestic industry, as required under Rule 5(a) and (b) and Rule 2(b).

**H.     NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN:**

10. Under Section 9A(1)(c), normal value in relation to an article means:-
- (i) The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section(6); or
  - (ii) When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:-
  - (iii) Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or
  - (iv) The cost of production of the same article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section (6);

- (v) Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of export or there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.
- (vi) The Authority provided opportunity to the exporters from subject countries to furnish information relevant to the investigations and offer comments if any, in accordance with the Section cited above. The Authority wrote to the Embassies/High Commissions/r Representatives of subject countries in India also.

11. **TAIWAN**

(a) **NORMAL VALUE**

The Authority notes that none of the exporters/producers from Taiwan has provided the information as per the prescribed questionnaire.

The Authority therefore, holds that none of the exporters from Taiwan has cooperated with the Authority as envisaged under the Rules. Under the circumstances, normal value has been based on constructed cost of production with reasonable profit of Sun Dust Control Polyester Film as provided by the domestic industry as the best available information under the Rules 6(8) supra. Accordingly, the Normal Value of Sun/Dust Control Polyester Film for all exporters from Taiwan has been taken at US\$ \*\*\* per Kg.

(b) **EXPORT PRICE:**

None of the exporters from Taiwan or importers in India has submitted details of export price in reply to the Questionnaire. The Authority has adopted the export price as reported by DGCI & S, Kolkatta. Adjustments towards ocean freight, insurance and commission totaling to US\$ \*\*\*/Kg based on the claim of the petitioner has been considered. The Ex-factory export price in the Period of Investigation thus works out to US \$ \*\*\* /Kg.

12. **UAE:**

(a) **NORMAL VALUE:**

The Authority notes that none of the exporters/producers from UAE has provided the information as per the prescribed questionnaire.

The Authority therefore, holds that none of the exporters from UAE has cooperated with the Authority as envisaged under the Rules. Under the circumstances, normal value has been based on constructed cost of production with reasonable profit of Sun Dust Control Polyester Film as provided by the domestic industry as the best available information under

the Rules 6(8) supra. Accordingly, the Normal Value of Sun/Dust Control Polyester Film for all exporters from UAE has been determined at US\$ \*\*\* per Kg.

(b) **EXPORT PRICE:**

None of the exporters from UAE or importers in India has submitted details of export price in reply to the Questionnaire. The Authority has adopted the export price based on DGCI&S, Calcutta statistics. Ocean freight, insurance, inland freight, and commission totaling to US \$\*\*\* /Kg based on the claim of the petitioner has been adopted. The Ex-factory export price in the Period of Investigation thus works out to US \$\*\*\* /Kg.

I. **DUMPING MARGIN**

13. The rules relating to comparison provides as follows:-

"While arriving at margin of dumping, the Designated Authority shall make a fair comparison between the export price and the normal value. The comparison shall be made at the same level of trade, normally at ex-works level, and in respect of sales made at as nearly possible the same time.

Due allowance shall be made in each case, on its merits, for differences which affect price comparability, including differences in conditions and terms of sales, taxation, levels of trade, quantities, physical characteristics, and any other differences which are demonstrated to affect price comparability"

The authority has carried out comparison of weighted average ex-factory normal value with the weighted average ex-factory export price for evaluation of dumping margin.

The dumping margins are above the de-minimus limits. The dumping margins for the producers/exporters of the subject goods in the subject countries are as under:-

COUNTRY-WISE EXPORTERS/ PRODUCERS	NORMAL VALUE (\$/MT)	EXPORT PRICE (\$/MT)	DUMPING MARGIN	DUMPING MARGIN (%)
<u>UAE.</u>				
All Exporters	***	***	***	213%
<u>TAIWAN</u>				
All Exporters	***	***	***	700%

**J. INJURY:**

14. Under Rule 11 supra, Annexure –II, when a finding of injury is arrived at, such finding shall involve determination of the injury to the domestic industry, ".... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.

For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II(iv) of the rules supra.

**K. CUMULATIVE ASSESSMENT OF INJURY**

15. Annexure II (iii) under Rule 11 supra further provides that "in case where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to Anti Dumping investigation, the Designated Authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the imports of the like article or where the export of the individual country is less than three percent, the imports cumulatively accounts for more than seven percent of the imports of like article, and cumulative assessment of the imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles"

The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject countries are more than the limit prescribed above. Cumulative assessment of the effect of the imports from Taiwan and UAE is appropriate since the export prices from these countries were directly competing with the prices offered by the Domestic Industry in the Indian market and displacing domestic producers here.

16. All economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above such as production capacity utilization, sales volume etc. have been examined as under:-

(a). **QUANTUM OF IMPORTS AND MARKET:**

The information with regards to quantum of imports of Sun/Dust Control Polyester Film has been based on information published by DGCI&S, Calcutta in respect of UAE & other countries and on the basis of Secondary Sources (transaction wise information on imports, as compiled and provided by M/s. INFORMANT, MUMBAI ) in respect of Taiwan, since the volume of imports reported by DGCI & S for Taiwan is only 16639 Kgs for the period of investigation. The volume of imports as also their market share has been as given in table below:-

Particulars	1999-2000	2000-2001	2001-2002	POI (April to Dec,02)	POI Annualized
In Kgs	Volume	Volume	Volume	Volume	Volume
<b>Imports</b>					
Taiwan	2464	9107	30478	91206	121608
UAE	0	0	6000	10592	14123
Subject Countries	2464	9107	36478	101798	135731
Other Countries	11833	2372	38988	29605	39473
Total Imports	14297	11479	75466	131403	175204
Domestic Sales	193560	194980	208000	135000	180000
Demand	207857	206459	283466	266403	355204
Market share in Imports					
Taiwan(%)	17.23	79.34	40.39	69.41	69.41
UAE(%)	0.00	0.00	7.95	8.06	8.06
Subject Countries (%)	17.23	79.34	48.34	77.47	77.47
Other Countries(%)	82.77	20.66	51.66	22.53	22.53
<b>Total (%)</b>	100.00	100.00	100.00	100.00	100.00
Share in demand					
Subject Countries	1.19	4.41	12.87	38.21	38.21
Domestic industry	93.12	94.44	73.38	50.68	50.68
Other Countries	5.69	1.15	13.75	11.11	11.11

Note : Volume of imports are as per DGCI & S except Taiwan , which is as per secondary source viz. INFORMANT, MUMBAI.

The Authority notes that:-

- Volume of imports from the subject countries have increased very significantly in absolute terms.
- Share of imports from the subject countries in total imports have increased very significantly.

- lii) Share of imports from the subject countries in total demand of the product in India has increased very significantly.

The Authority notes that the above clearly shows adverse volume effect caused by the dumped imports on the Domestic industry.

- (b) Various parameter relating to the domestic industry have been analysed as under: -
1. Installed capacity of the petitioner has remained the same over the period.
  2. Effective production of the domestic industry has increased significantly. The Authority notes that since various types of subject goods are produced, it may not be appropriate to compare actual production over the years. The petitioner has determined effective production, after converting production of various types of films into single ply sun films. This has been described as "effective production". It is noted that effective production of subject goods has increased significantly.
  3. As a result of increase in effective production, capacity utilization of the domestic industry has increased.
  4. The petitioner has negligible captive consumption of the subject goods. Changes in the pattern of captive consumption have, therefore, not caused material injury to the domestic industry.
  5. Sales volumes of the domestic industry in the domestic market has declined after registering an increase.
  6. Export sales of the domestic industry have shown significant increase after marginally declining in 2000-01.
  7. The landed price of imports is very significantly below the selling price of the domestic industry. The extent of price undercutting is so high that the landed price of imports is almost 1/5 of the selling price of the domestic industry.

8. The subject goods are eventually consumed by public at large. Given the huge price difference between the domestic and imported product, the imports are resulting in replacement of the subject goods. Resultantly, while the share of the domestic industry has very significantly declined, the share of subject imports has very significantly increased.
9. Average stocks with the domestic industry have increased over the period.
10. Production per working day has increased on the lines of increase in the production levels.
11. While unit cost of production has increased, the selling price has also increased. The domestic industry was earlier making financial losses. The losses, however, declined steeply and the domestic industry registered profits in 2001-02. The domestic industry again faced financial losses in the period of investigation. However, even though the domestic industry suffered financial losses from sales in the domestic market, it has significantly improved its profitability in the export market.
12. Cash flow and return on capital employed follows the trend of profitability, which again became negative in domestic sales in the period of investigation after being positive in the immediately preceding year.
13. Employment and wages shows positive improvement. However, this has to be seen in the light of significant export activities of the domestic industry.
14. The dumping margin is very high. Given very low price of imports and extent of dumping, the impact of dumping would be very adverse.
15. It is noted that the demand of the subject goods is positive. However, the increase in domestic sales growth is negative.

**L. CAUSAL LINK:**

- 17.(a) The Authority after careful examination of the various parameters affecting the domestic industry notes that the landed price of imports from the subject countries is significantly below the cost of production and selling price of the domestic industry. Accordingly the market share of imports in demand as also imports into India has significantly increased. As a direct consequence, the domestic industry has lost significant market share. It is also noted that the performance of the domestic industry after continuously improving between 1999-2000 and 2001-02 again deteriorated in the POI.
- (c) The Authority also notes that import price from other countries is at a higher price. At the same time, their share has drastically declined, whereas the share of imports from the subject countries has increased considerably. Imports from other countries could not have, therefore, caused material injury to the domestic industry. Demand of the subject goods has shown an increase. Possible decline in demand could not have caused material injury to the domestic industry. The domestic industry is exporting the product to a number of countries in the world. Not only that its export price is higher, but also the volumes have increased. Export performance of the domestic industry could not, therefore, have been a cause of material injury to the domestic industry. No other factor of injury has been brought to the knowledge of Authority.
- (d) It has been argued by Orpro Company, UAE that the reason for injury to the domestic industry is more efficient process employed by Orpro. The Authority, however, notes that the domestic industry has exported the material to a number of countries in the world. Its export price to other countries at best can be said to be higher than its prices in the domestic market. In fact, the domestic industry has exported the material to UAE and Taiwan at prices much higher than the price at which the material has been imported into India. In fact, the price at which the material has been exported to India is lower than the price of plain polyester film, leave aside cost of other chemicals which form a substantial part of costs and which have to be added to produce subject goods. Further, cost of conversion of the plain film to the subject goods also calls for substantial value addition. It can not, therefore, be said that the domestic industry has employed relatively inefficient process.

**M. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES:**

18. (a) The purpose of Anti Dumping Duties, in general, is to eliminate dumping which is causing injury to the Petitioner Company and to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country.



(b) The Authority recognizes that the imposition of Anti Dumping Duties might affect the price levels of the products manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition on the Indian market will not be reduced by the Anti Dumping measures, particularly if the levy of the Anti Dumping Duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the petitioner company. On the contrary, imposition of Anti Dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the petitioner companies and help maintain availability of wider choice to the consumers of Sun/Dust Control Polyester Film imposition of Anti Dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers.

N. CONCLUSIONS:

19. It is seen, after considering the foregoing, that:

- (a) Sun/Dust Control Polyester Film originating in or exported from subject countries have been exported to India below Normal Value, resulting in dumping;
- (b) The Domestic Industry has suffered material injury from exports of subject goods from Taiwan and UAE;
- (c) The injury has been caused cumulatively by the imports from Taiwan and UAE;

It is considered necessary to impose Anti-Dumping Duty, provisionally, pending final determination, on all imports of Sun/Dust Control Polyester Film originating in or exported from Taiwan and UAE pending final determination.

20. It was considered whether a duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove the injury. The average landed price of the imports, for the purpose, was compared with the Non-injurious price of the petitioner company, determined for the period of investigation. Wherever the difference was less than the dumping margin, a duty lower than the dumping margin is recommended. Accordingly, it is proposed that provisional Anti Dumping Duty equal to the difference between the amount indicated in column (9) below and the landed value of imports be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all grades of subject goods originating in or exported from Taiwan and UAE falling under Chapter 39 or any other Chapter of the Customs Tariff Act, 1975, pending final determination.

20 A.										
SNo	Customs Sub-heading	Description of Goods	Specification	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Amount	Unit of measurement	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)
1.	39 20 69	Sun/Dust Control Polyester Film	Any Specification	Taiwan	Any country	Any Producer	Any Exporter	10.99	Per Kg	US\$
2.	39 20 69	Sun/Dust Control Polyester Film	Any Specification	Any country except UAE	Taiwan	Any Producer	Any Exporter	10.99	Per Kg	US\$
3	39 20 69	Sun/Dust Control Polyester Film	Any Specification	UAE	Any country	Any Producer	Any Exporter	10.46	Per Kg	US\$
4.	39 20 69	Sun/Dust Control Polyester Film	Any Specification	Any country except Taiwan	UAE	Any Producer	Any Exporter	10.46	Per Kg	US\$

21. Landed value of imports for the purpose shall be the assessable value as determined by the customs under the Customs Act, 1962 and all duties of customs except Additional duty of Customs levied under Section 3, 3A, 8B, 9 and 9A of the Customs Tariff Act, 1975.

**O. FURTHER PROCEDURE:**

22. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-
- (a) The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final finding;
  - (b) Exporters, importers, petitioner and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of the letter. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
  - (c) The Authority would conduct further verification to the extent deemed necessary;
  - (d) The Authority would disclose essential facts before announcing final findings.

L. V. SAPTHARISHI. Designated Authority